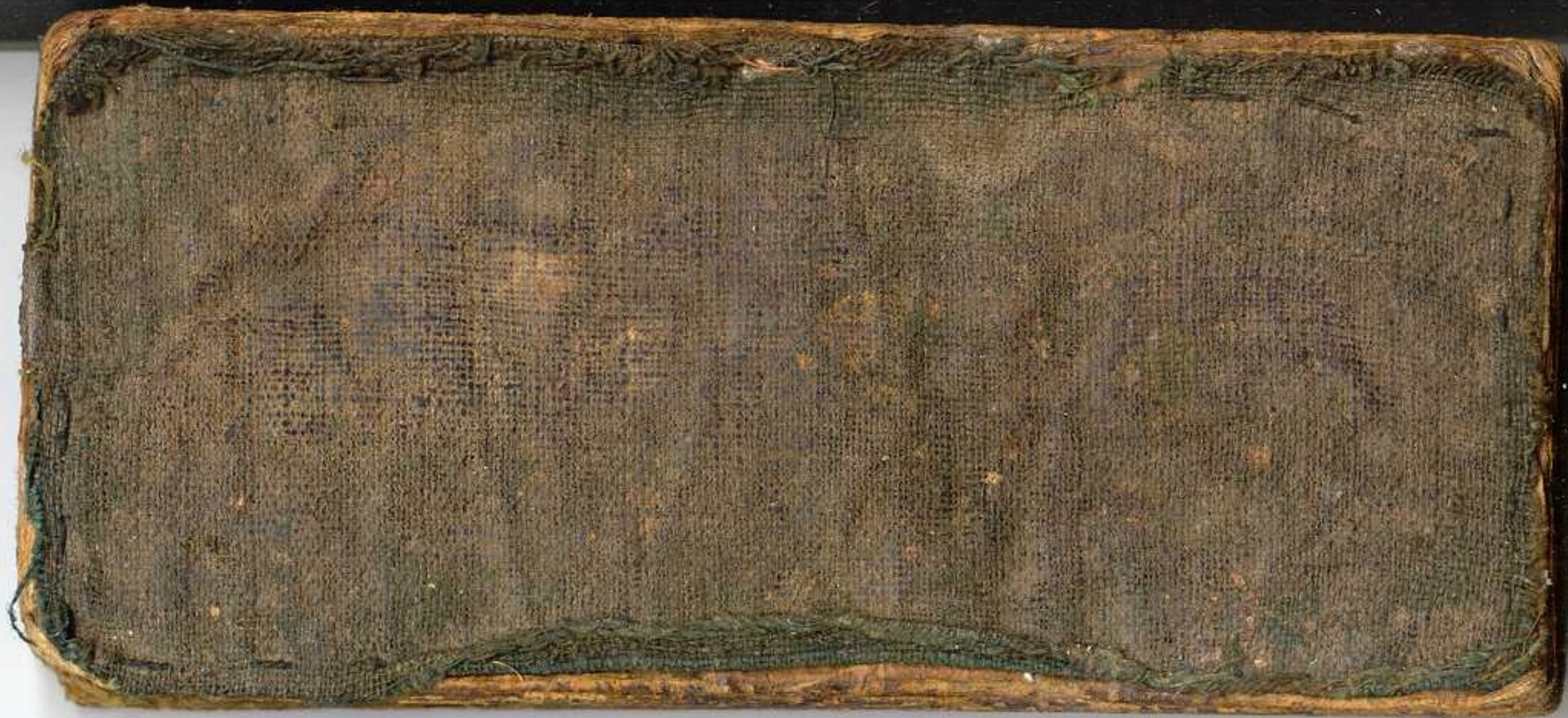




॥ विष्णुसप्तशती ॥ २३

नरु मे भिवर्षु प्रजा कलंक मलं ॥ का ला ॥ मदु जानंद का लिः
का ॥ आ व ॥ निखिलं कि न ह द या ॥ ह्ला द सं द वं ॥ को ला ॥ नरु न
मश्रु कु मा ला ॥ वा क जा उ ॥ ॥ ॥ ॥ वा ग ॥ अं व रु व वि
वि न्ध मे नो न ह वि ध विं वा ॥ अं का व वि या पि न सु म ह वा ॥ ॥
॥ न मा मि श्र वा गी भ्य व स य व म नि ह द या ॥ वि वा म शि क टा
ग भ व स ना ह व कि न ह द या ॥ ॥ पी ता नि वा प्र व सी न व य

॥ मधुसूदन ॥

न ॥ प श्रु कि न म क ट म रि प्र य ना ॥ ॥ ध र्म न क म डा क
॥ हि म ग्रा मि ॥ घ ण वा पा शि पु रु रु व रु पा शि ॥ ॥ सु ग्रा स न
न मि न रु व व न र ॥ रु न शि य व मा दि व रु कि न गु ण ल य न
॥ ॥ ॥ ॥ वा ग रु व वि ॥ म ध्व म न म हा मा नि क न क वा
कि न य र्व वि द ह अं व दि यी ॥ अ प न ग भ ठा य न ड रु व रु व रु व न
य श्रु कि न वा पि या व ॥ ॥ न म य श्रु वृ द वि न्ध सु कि न वि

॥ व ॥ ॥

न्यहन् विन्धु रुक्मपद्ममृगानि ॥ अन्नादिद्यानया नृगानि जिन
 मानसा हयं गुरुयामि मित्रघ्ननद्यानयनं ॥ ॥ ज्ञानवदन्
 सः साडपद्मीयः नाडपद्मीयः त्रिजगुधनः स्वसन लाडपद्मीयः डावे
 नाडपद्मीयः गुणप्रभुः ॥ ॥ दिवधवत्रया लिखनत्रयः धिप्र
 चिप्रसयः अन्नादयः विद्यानः ॥ अन्नादयः दिविप्रसायः कय
 काः मानिकः लानिधिनः विप्रवदयानि ॥ ॥ गुणप्रभुः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

शान्दानंद ॥ यत्तु वदुपयत्तु संवत्सु यत्तु दवा ॥ सत्रन
प्रमदिनददया ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नृद्यत्तु धाने विप्रसाशानंद ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
निर्माता विप्रकुषादिदल सत्राप्रदमधवागकादिदलनादय
ये ॥ समीपयत्रिनताश्चमासिनननीयसुतायश्चकोत्रनव
धी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नक्षत्रसमस्तप्रदवी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नक्षत्रविषुधमस्तुलनययानि ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
प्रधर्मनकुषात्तुभदलसंज्ञावाचक ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
हासुखवक्त्रं कायप्रयुग्मादप्रकनाथ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नाविद्यात्रिभुवनशान्तेदानि मे वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

२४८ आदिनि ७

[illegible]

भक्त्यामीनीदवी नीत्रवदना ॥ वायव्यामाहिनीदवीः
 भागवत्सूक्त २ पांश्विभसंतात्रेणादवीः ॥ ॥
 नैमिष्यसंगामनीदवी हरिकवत्सूक्त २ दहनवत्सूक्त २
 सवत्सूक्त ॥ ॥ नरुत्सूक्त २ काननायकसूक्त २
 स्वस्वीरुसंरुत्सूक्त २ नवप्रसादेरावत्सूक्त ॥ ॥
 रत्नवि ॥ ३ ॥ श्री ४ ॥ रुद्र ॥ श्री नरुत्सूक्त २ पूजापू

ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः

डिकयूय अरावसखस्त्रपरावन॥ कु वारखखादि
 वलिपुडन, यद्यथादयशवघ्नन? यश्च। मृयनस, यंच
 सात्र, पश्चिहानसर्वलीना॥ सर्वयद्वारास, रं
 नयन,। येभावासादापसात्र॥ जयकताकिनीदु। शि, मृय
 ममा न, दंवालेगृह्णन्त॥ दानपतिस्व
 कार्यत्वया, सर्वसिद्धि संपत्तिभांति॥ आसंसात्रकथाग
 २

नवचन, सर्वसुखसंपत्तिवृद्धि॥ समयप्रदं कु
 दानपतिन, सर्वसिद्धि सुखभांति॥ यथेवकथेवकु
 थपितथमाकुक्रमथ॥ ॥ ॐ ॥ यथापथम
 कुलि॥ अति लक्षणलक्षण, आकुव, मां, मन्मसलुल
 चक्रयाशा? वक्रयंकलसत्रकाल, संपातिहात्र, मन्मसलुल
 चक्रयाशा॥ कु ॥ उमन्मन्मन्मिमा, मुन्मन्मन्मन्मिमा, आति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

न॥ . ॥ सतगुरुचरणाभिषंगप्रिया ॥ रुनायेवाक
वक्तुं वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कायप्रपन्न ॥ स्वद्विंशत्युत्तम ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
हं नमो नमो नमो नमो नमो ॥ ॥ दयाश्रीतिंगराकायप्रपन्न ॥ वक्तुं
यत् ॥ मुद्राधन ॥ ॥ धनप्रपन्न ॥ स्वद्विंशत्युत्तम ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
उत्तम ॥ हिमवत ॥ मन्त्र ॥ ॥ मायादहनीनकं ॥ ॥ सो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

हियकनरासुत्तम ॥ ॥ ॐ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नामि ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ वक्तुं वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ
ॐ
ॐ

ऊवावाहि कुक्कविनूदप्रमिर्जुम्भवा ॥ गमवंतिलिहावज
आजियाउत्र सक्तगुपुवन गन्धवाध ॥ समयानंदरुलिं (गव
मलुल सुचववकुवावाहि ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ वाग. क. सुदि ॥
किहं वापयि आगिनी द ह क वांनि ॥ क म ल क लि म. च ॐ क न
हं न को वायि ॥ ॐ ॥ आगिनी कुक्कविनूतनहं न जी वायि ॥
आगानहं वंदि यात्र क म ल संयि व मि ॥ ॥ अय हं आगिनी

वि
वि
वि

वपनजायि ॥ मलि कुल बहिया न उजियान ॥ समान ॥
सह घन यात्र कं वि य ता न ॥ व द सूर्य दयि प द न ह वा डा ॥
॥ ह न यि हं दालि क न कू दू नू जी क ॥ न प्र य ना त्रि मा ष ण उ ह य
उं वी या ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ ॥ वाग. क. सुदि ॥
व. वा वि ना मि द ह व द न ॥ व द आ स प्र न व. कु व न ह कु ना ॥ ॐ
॥ ना च व न मा मि आ स च व वी या ॥ व कू आ गि नी व मि त्र सह

म. ग. स. श्र. स. ३

श्रुत्वा निनिहिकुञ्जन् नीलसमदहा? ककुवति। नयनी, हाषमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

अवनिनिडा नमः०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीवृत्तिनिहितवासुदेवाय नमः ॥

॥ साधवे सायायूनेदन बुझा नुडोरो सायाया दठरु नः

२०३
२०३
२०३

न २ समसमायात्राविमाहास्यनश्यासमाहिमदहाव
॥ वेत्ता ह्यस्य युक्तानि तन्मौत्रिकयूननोपनयनसूत्रकात्रा २
सूत्रनयनागमचंद्रितवत्रेण यायसूत्रधनभूचनवीना ॥
॥ ०३ ॥ जागृत्युक्तिवृत्तलकर्मिलीचकभारललविः
न गीयवदुननसिदमाता २ मित्रवादिचकीत्रेयाहस्यविरुमि
मगायासकभादिबंधुनिनाया ॥ ६ ॥ युरुसयाहननसः

मानकायायाहलनाथयाससुत्रयाया ॥ ॥ वरुकात्रक
हाथयविद्याकंथाक्रियाडवडांवा २ संयुटयागिनीकमलाविः
हासिंलग्नसहासखभावेयसाद ॥ ॥ वरुवात्रादिआलिना
नससुत्रनावायिवरुविविदवरुंवा २ वाहुत्रिकोत्रिनेयाकिदीन
हननसमृद्धहवसुवरायुसाद ॥ ॥ सहस्रसंवृक्तित्रेयाग
वकिंकर्षयालगादयुक्तचनरायुसाद २ प्रहृष्टालिकनरुदकि

२७
२८
२९

हनुवाविमसयेभूत्यकनुदाव ॥ ६०३ ॥ वागकासा
यकालितकंकाभोहवमृत्तिहृदुनीलसमदुनिदह २ विः
मृत्तिहृदुनीलसमदुनिदह २ विः
मिग्रायवदुवीरंरुवसिंधुतवर्ष २ विः
नावदाविधंसनकवर्ष ॥ ॥ अतंनजानुहृदुनील
वीरंरुवसिंधुतवर्ष २ वागकासा ॥ ॥ वागकासा ॥

३०
३१
३२

वागकासा ॥ ॥ वागकासा ॥ ॥ वागकासा ॥
हृदुनीलसमदुनिदह २ विः
मिग्रायवदुवीरंरुवसिंधुतवर्ष २ विः
नावदाविधंसनकवर्ष ॥ ॥ अतंनजानुहृदुनील
वीरंरुवसिंधुतवर्ष २ वागकासा ॥ ॥ वागकासा ॥

लनकननं ॥ ५२ ॥ नमामिष्टातिचक्रम्वनंसायरुयरुवरु
 यरुनसं ॥ ५३ ॥ चक्रुर्विभानिपी० म्वनंरुकिमंविदवीभन
 नं ॥ ५४ ॥ चक्रुवचक्रयाविद्वनादवीसंयुक्तपुक्तलितसिक्त ॥
 एहसंयुक्तगालिकांतिपदाकांनान्शुकिमंदना ॥ ५५ ॥ दामदवीप
 कलावा नमामिष्टावक्रम्वनंसाय ॥ ५६ ॥ मन्त्रुवचनसं
 भावंराधय्यरुनयिगीनायाकुलिम ॥ ५७ ॥ दानयानिप्रमनाहर्मस

५८ ॥ यमलुलग्रायाधिना ॥ ५९ ॥ नासाहोवि ॥ ६० ॥ कयंकयं
 ६१ ॥ वाद्युप्रसवयसहाकवि ॥ ६२ ॥ म्बययदुसंहाप्रहा ॥ ६३ ॥ ५४ ॥ नूदी
 ६४ ॥ मूनंमनहाहंकाप्रतावधिमातानिप्रवावृदि ॥ ६५ ॥ किमयप्र
 ६६ ॥ यामप्रदरपुनन ॥ ६७ ॥ किनऊनानिदवीवक्रयागिरी ॥ ६८ ॥ कयं
 ६९ ॥ कयंराजारप्रतासस्यरा ॥ ७० ॥ गीवावृडनवगिरमाला ॥ ७१ ॥ कयं
 ७२ ॥ कयंनाखरुऊगानसंसाय ॥ ७३ ॥ पुतामामिअद्ययसंवाहवि ॥ ७४ ॥

२ अनामिका २०

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अनामिका सुमदुर्गा दह प्रहास्यया ॥ विविधि
प्रलभते सकलं कुरुष्विति ॥ ॐ ॥ नावयिष्यामि च वीर्या ॥
न नात्र उग्रानंद विना सायि अत्र वीर्या ॥ ॥ अम उग्र व
विषु मूलादर्शना ॥ पुष्पा आलिङ्गना ॥ अक्षय महाप्रस ॥ ॥ सायः
चरुनेदर्या निविल विघ्नहना ॥ न स्याति ॥ विघ्नहर्ता ॥ निपात्या ॥
॥ विना वाच दुष्ट निरुवरुयंकया ॥ वा विना निरुग नत गगरा
हते ॥

२ वज्रपातना २०

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वज्रपातना दह प्रहास्यया ॥
॥ विरुवननाथ दहिमया ॥ ॐ ॥ विनामि महाप्रस महा
सुखरुत्रिया ॥ वज्रदवी पुसाद अनुरु वरुन ॥ ॥ उग्रना
वि विदलक मल संकाय ॥ दहि विना सायि यवन ॥ दि ॥
॥ अनामिका यथा महासुखरुत्रिया ॥ यथा निव सवीरु वा ॥
॥ सतनु पुसाद वरुथा विवक ॥ पुसाद वी संसात्रस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३०

गोसायन्याया ॥ ॥ पूर्वदिगास्ति नरुवनीलवर्ण २ दक्ष
हेनयाकुधात्रिवाभविंदुधवा ॥ ॥ यस्मात्रित्रीश्यामिनी
दवी २ भावकिनिलावर्ण कंकाजसंवजाय ॥ ॥ ७२ ७३ ॥
वागतिवद ॥ अथयनिवर्जन अथयमनूपम गगलकमलक
साधना २ पुन्यताविद्याभित नायप्राविद्यादवी प्रासाविंदुस
मजालिता ॥ ॥ नमामिनित्रात्रवनिवद नमराव हनुस

प्रसप्रापिका २ सत्रकचतुसमनकप्रकाभितकलकचतुसमवा
पिका ॥ ॥ वडंगजागंवर साभिजचकवार्ह सत्रममुलरुव
त्रिना २ निर्मलहयाचक्रध्यापित अहिनिसिद्धचत्रकं नमयसाध
ना ॥ ॥ जानंदपत्रमानंद विजमासरुसंरुवा २ पत्रमावित्र
मानकुदिप्रमहासुखसुगतसंपदप्रापिका ॥ ॥ हवककालच
कथाचक्रसमप्रमनककाटिसिद्धायात्रेगता २ ग्राहनेडादियानय
लुगिदिजात्रंघनपुहमहासुखजानदं ॥ ॥ ७४ ७५ ७६ ७७



स्वागच्छतामि वासमयप्रथम दहिनेकत्रनि १ पायवनीदु
 वप्रदुसालरुषिता ॥ ५ ॥ दविनावयि ५ क ददिवडा
 आमिनी १ निमिनकुदवी किहवनपयिसे ॥ ६ ॥ का
 लमृ. ५ दयिपा नवधि १ का ददिवडा कवनिहद ॥
 ॥ हनमुहदवी किहवनजननी १ मृ. ५ पायवनी
 मृ. ५ सगवा ॥ ॥ ५ ॥ वागनाद ॥ कवन १

पलाकवप्रकवनवृयवृद्ध १ अखयानिपंडन सयात्राविष्
 ५ ॥ ५ ॥ नावयि अवनधुने कानकमान १ खद्वोराठम
 वृणीयानवनिप्रमा ला ॥ ॥ अंकुप्रम्य निपंडन अह
 लाविहश १ अवनधुनगानि सयात्राविष् ॥ ॥ क
 रुवाप्रहदुवडा के रुवाप्रलीना १ अवनधुनकानगानि सया
 वावेमुह ॥ ॥ रुवरुहदुवडा रुम. ३ मवसहंदा १ ॥ ॥

२२ स क २ क ३३

वननाथ उक् सधननाया ॥ ४०३० ॥ वनानाथ ॥
सकनकगानगुन सधननाया ॥
जया ॥ ठिरुवननाथ उक् सधननाया ॥
॥ सधनसधनकनसायनाथं ॥ विविधिविकल्पविधुमानि
दवी ॥ ॥ दविवागहि कुक्कमहि नदहा ॥ रुवरुयह
वहा विभावातेलाय ॥ ॥ सकलाविघ्नहानिमानेयाने

२२ स क २ क ३३

वृग्म ॥ वानेयानेहर्गनिवासनवृष्टा ॥ ॥ लवणवहन
हनिमानेदिहा ॥ अनपमसुखनस मयसुखादिहा ॥
४०३० ॥ वाना मान ३ ॥ निरुं कुल अत्रधूलनाया ॥ आहतागमान
आमिनीययिस ॥ ॥ ॥ आनंदादिदेवाह निआनंदादिदेवा
॥ पात्रिनात्राधिहवन मनसासंपूर्ण ॥ ॥ यष्टि संपूर्ण
हव निरुं कुल हवन ॥ भावविभनहायेवमिसंतात ॥

आउ दिया न इतल सि ब्रह्मात्रि १ गीक मून हा कि दंति वा डं न
 ॥ आलिका लिदुयि पाद ध वं न १ पु व ड या मि नी सं ग ल गी
 न ॥ ॥ पयि भयि ई विनि श्रु य सें ला व १ कि द कि क
 म ल कालि भ वा डं न ॥ ॥ घ स्र वि घो वि घो वि व ना वि १
 ल य न व ड न स ह न व वा ला ॥ ॥ १ १ १ ॥ न म म न
 ॥ ॥ स वा कां ता स हा स ख क न व ड आ नं द द हा १ कि ह व न

॥ आलिका लिदुयि पाद ५ वन २ पुवडयागिनी मंगलगी

मल कुलिभवाङ्म

लघुनवउदसः हनूत्रकाली ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

सुबोधना ३९

मनीषवी. अनूक्तवस्तुनवलदायनि ॥ श्रीमिहारुमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कल्याणलामिब्रवृद्धा २ कनकनिषर्षात्रवः

द्विगंधानि. पुरुषा ह्यनवप्रदायानि । दिगं वप्रमकूटकः ।

नि.वा.उ.कु.सु.ल.क.म.ठी.का.दि.२.ला.व.क.भ.ख.ल.या.य.त्र.का.दि.मी.व.न.

न। ॥ वायसि संहाग मय प्रथी मय न ॥ वायवि वाग दधि स
मा ने स न्ना ॥ ॥ अ क क लि म संहाग वि मय न ॥ सू न न प्र प्र
मय, चं दा गालि स ॥ ॥ द हा दि ह तु व न, छी का मं व न ॥
पु न मा मि सु न न्ध मी गालि स ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ वा ग मय म
॥ पु म दि न दि द म ह मि सुं द न स न, अ न म ल ल सं कि न, ल म न ॥ ॥
द म ह क, व ड व द न स, सी री ना, व क वा वा हि क, ल ह गालि स ॥

[illegible]

॥ मधु ॥

शिवमात्मालंकारसंवनदिव्यचक्रविमिकनृशहिया २ कल्प
कल्पमात्रुं ह पायनप्रसन्नमन्त्रादिप्रसादिवदुगीता ॥

१-०३-॥ यमः कोसिक वसेत् ॥ मधुविषादिपूनादयानि कृत्वा
या २ सकलद्वन्द्वित्यादं ॥ पु ॥ सीजीआदिबुद्ध्यामरु
कुमालो २ त्वं आहिवंदिनः यश्च नृश्वभवं ॥ ॥ कंकमवलिज
सनचित्रविषमा २ भूत्यागारिनेकनृशाविदाया ॥ विद



५३

धावित्व मकूट ध्यानं गमनं स २ विष्णुविद्यास्येन प्रियं गुप्तं स्वयं
 ॥ १०० ॥ ॥ नागं मुकुटं ॥ इन्द्रं गमनं ॥ आशितं ॥ ननु
 रमाहा २ उक्तं दुर्गीतं दुर्जि प्रियं गलकं ॥ ३ ॥ उगनं नृकं य
 कृया मुसदवी २ दुस मा लवि घृना रो नी दवी ॥ ॥ प्रक न
 घनं निलि नृद साहा २ ख कृक नति कया लनिला लयरा ॥
 व्या घुच मव लु पुण्या नी दा २ ख व लं ना दय स वा का का ॥

२५५
२५५
२५५

तयकनं कृत्वा वा निहमाहा २ युष्टिक वं कृत्वा समाकृत वयं न
॥ जोड महावनि ये हवन गायन २ मयमा मय मय नूध
प्रश्रा हा न ॥ ॥ ८६०३० ॥ रा म द सा न ॥ सा या हा ल वि व
स द न स ग्रीवा १ माह मा नंद द र्य हृदि मा या मा हा ॥ ५ ॥
उ स मा य म सा न १ रा म द व मा ह हृदि प्रश्रा सा ॥ ॥
मृ न मि ख न स न द ट क नू च य १ ८ म स वी चि क द स व य ॥

२५५
२५५
२५५

५१ ॥ सह ज सं रा व न य उ द ना ग न य वि या १ न सा य न
म स वा म य नू च ॥ ॥ मृ न धू त उ द य व नू या य व सा दा १
न वी ते नि दु ४ व पा य रु य च के मा वि वा ॥ ॥ १० ॥ न
म स क वि ॥ डि न व य न न या ने ह व न गी कां य रु क नि वी ति नि
म स नि ता १ न पा ल म उ त मा य नि ह न कि व ही रु ग न ना थ
मृ रु य ना ना ॥ ५ ॥ डि नो म नि वं धि या प्र मृ त रा य या यः

四

या भः

बुद्धमूढवाममहाथाध्यायेया उदयगिगमाना **२** वीलहाविः
 न लाकिनकनकाहवचउमखभूमिविकलात्रभूद्वया **॥**
॥ आविट पुआहेत्रववाययियात्र. कालिशानिर्विरुम
 डा **२** विन्धकुलिमभूद्वचदुहायूकवायुवर्ममघुमूडा **॥**
॥ रुडिसंविनवीप्रभत्र. नायकडिमिचकुमहावीत्र
 वीया **२** कवृषष्टमत्रविनवीप्रभत्र. उडयिसयत्रसंसाधया

(कांशात्र ५०)

॥ ६३० ॥ नया. नवठागि **॥** रुंविनिसनवनवेप्रसायिक
 थिस **२** उ० रुवाज. मलुतवाया **॥** **॥** पुडंकायदमत्र **॥**
 गकानेवाभियोथ **॥** **॥** अमिय अमिय निवंकनद **२** स
 रुडसंदविशया. डिनरुनकथिस **॥** **॥** नवडयामानि
 प्रममत्रमायेया **२** वरुवाजाहिआलिगनकाल **॥** **॥** ५०
 रुवाजकनृषकवा. लि **२** रुयंरुयंमनिहनतीतावकवात्र

卷之六

[illegible]

॥ ५॥

नववर्षं कंच काले वसा ऊटा इति मासे मासेना १ लं वा दनय
 न. लं वा दनय च हा. पायत्रा सिनि सिनि वा ऊं न ॥ १२ त्वा न
 नथ. न नला कालेना. मूनि क मख अति संद न १ दि ना दवा न
 मसु खदा ना. नम सु न मा सु ग ल्मा धिय नि ॥ १३ ०३ =
 नम. नम ॥ १४ यथ कया ल. आत्रे म भोत्रे. यथ ह न य थ मू डर
 नम १ नम भि न मा ला. गो व्य भा हा. वा यु च म्प क र्ति रु वि न व द

॥ वज्र उथागिनी ७ लमल सलिया २ वरु वा गहि मभिंगल
काव ॥ ३० रुवा ठाक न क वात्रे २ रुसं १ भूगलि म
हानी ला कर्षू वात्रे ॥ ॥ ॐ ॥ गार कोरि ॥ दो गोहि नः
स्ति न कि दल स बा ऊ दि न क न सु ल न स थ लि ता २ वरु ध
भा द या उदि या ना द वी सु ल क मा दे गांव वा ॥ कु ॥ पुन
मा मि वा रु वि आ व ज था गि नी शून रू न का धि यु दा य ती ॥

दिरुजुगुमसुवतिमिलानना. लाहिनवर्षपुकारिता २५
 हवतव्याधिति. दाहिनकर्कि. भापि. मरुधुविकक. घालका. २६
 ॥ वाकि. कुल. कर्कि. भापि. हाथ. वाच. का. वि. रु. धि. नी. २७
 ॥ स. भो. पुत्र. का. रु. य. म. घ. ला. त. य. मो. ला. वि. रु. धि. ता. ॥ २८
 ॥ य. रु. न. नी. य. य. म. गु. क. भ. यी. रु. व. रु. य. ना. य. सि. वी. य. भ. यी. २९
 ॥ रु. ना. न. रु. रु. य. धि. नी. द. वी. ॥ मु. डि. मि. डि. व. ल. पु. रा. य. नी. ॥

[illegible]

अथ क्रुगुयालादेगांवेदिगंरुवन. धीतिप्रमा लय रुजंग २ ग
गक्षमयप्रगक्षमनंमनंकावा. गगक्षउमप्रयल वाडि स
२॥ ३ ॥ कैंकैंनमामिथअ जाकिनीयअ रुगति. सन ७
किनी. सयसइ. रगइ. गता ॥ ॥ यवउरुप्रयाश्चिम. ददि
न. वहुउवक्ष. विप्रमालाविप्रमालिउता २ जाकिनी. द्विपिनी
वउसिकंवीडांन. धीप्रवताप्रसंजा मवधनी ॥ ॥ सिंधिनी

ध्यादिनीडंयकडनाकिनीखद्वांगयप्रभूश्रृंक्रमहस्ता २ वरुजाके
 नीधायवनात्रजाकिनीचलुलजाकिनीचरुनदवी॥
 कितऊननीदवीजाकिनीकुंरुपायप्रसवसयशमूडाहवसः
 विरुषिना २ खकुरुनेकवजयशखद्वांगपादुपयप्रभूश्रृंक्रमहस्ता
 हनदवी॥ ॥ ६७३ ॥ वागलालिक ॥ विरुषाविरुषावि
 वयवतसंजाग्यरुलसिचडाविनारिकमल २ दहायिऊन

विंदुमानेसत्रायिसूत्रंगकिनकिमिश्रासमयम्याससययं॥
 ॥ नममंरुधायकासवक्ररुवजसंतवविभूत्रय २ यः
 यिपदुससंथाग्यसंरुवनिम्यनासहजागतंदमयहनययं
 ॥ वजययिहमनकुंक्रमनूतंतनूनाससंगीकिप्रज्ञाख
 धाने २ रुगरुदुखनामनंवाविहलदायकंथागधर्मसावह
 दयं॥ ॥ वज्रवक्रदृष्टप्रियाश्रुजयवनकंदियसामिम

